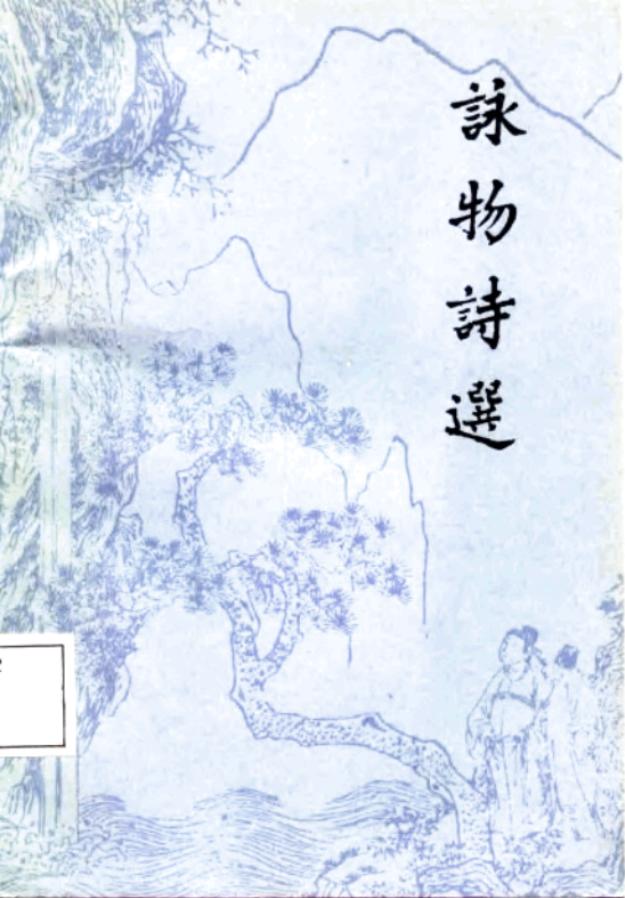


詠物詩選

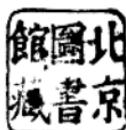


I222.  
19-2  
3

# 詠物詩選

俞琰 長仁 选编

1934.9  
北圖書館藏  
B 476354  
成都志籍书店



## 咏 物 诗 选

(清) 俞琰选编

成都古籍书店复印

四川省新华书店发行

温江人民印刷厂印刷

787×1092毫米 1/32 8.75印张

1987年4月订正再版

印数：1—20,000册 定价：1.50元

## 咏物诗选序

诗能体物。每以物而兴怀。物可引诗。亦因诗而睹态。周南篇首。托兴雎鸠。楚客词中。寄情兰蕙。崔氏鸳鸯之什。擅美三唐。谢家蝴蝶之篇。著名两宋。聿缘情之有作。唯咏物之为多。然而佳制连篇。散分麟阁。新文满箧。杂寄鸿编。非藉集狐。曷窥全豹。吾友长仁。才同绣虎。藻并雕龙。闭户殚思。探简编于二酉。下帷攻苦。学文史于三冬。拂纸则银管千言。挥毫而瑶词满幅。薰香擒艳。既妙解夫文章。戛玉敲金。尤精研乎诗律。爰搜秘笈。复��云笺。遍采歌诗。独编咏物。观其牢笼百态。会集群英。分类标题。发凡起例。上穷苍昊。不难缕月裁云。下括神皋。真足模山范水。长门永巷。时属新词。绀宇梵宫。每题佳句。思公子而不见。宛转传神。望美人兮未来。娉婷现影。以至微伶选艺。纬武经文。错落殊玑。不遗布帛之作。辉煌黼黻。仍留冠冕之篇。入大官之庖。珍馐备列。游五都之市。器用杂陈。拾香草于词间。灿新花于纸上。珍禽奇兽。俱著品题。春蚓秋蛇。曲摹形象。将天地间殊形诡状。尽入奚囊。为古今来才子。词人。留充武库。加以删繁就简。领异标新。有要有伦。亦精亦博。采昆山之尺璧。微玷皆捐。探合浦之寸珠。群玑悉弃。秘诸玉枕。可为学海之珍船。列在牙签。不啻文河之宝筏。乃若征途旅馆。寂寞多闲。雪案萤窗。优游少托。春花秋月。动其妍思。鸟语虫吟。引其芳绪。方当开茲缃帙。对

此芸编。喜万象之毕陈。任供采拾。睹众形之悉具。足备欵。真堪作我清供。添入藻句。鉴居同里。学附渊源。回思立雪之年。曾陪问难。今值裁藻之际。聊助校仇。乐观厥成。伫卜金轻。夫昌氏家藏斯集。行看纸贵于洛阳。亦曰赏奇。敢云弁首。同里世弟钱銮拜题。

## 自序

凡诗之作。所以言志也。志之动由于物也。感于物而动。故形于言。言不足。故发为诗。诗也者。发于志而实感于物者也。诗感于物而其体物者。不可以不工。状物者。不可以不切。于是。有咏物一体。以穷物之情。尽物之态。而诗学之要。莫先于咏物矣。古之咏物。其见于经。则灼灼写桃华之鲜。依依极杨柳之貌。杲杲为出日之容。凄凄拟雨雪之状。此咏物之祖也。而其体犹未全。至六朝而始。以一物命题。唐人继之。著作益工。两宋。元。明承之。篇什愈广。故咏物一体。三百导其源。六朝备其制。唐人擅其美。两宋。元。明沿其传。其佳者。往往拟诸形容。象其物。宜不即不离。而绘声绘影。学者读之。可以恢扩性灵。发挥才调。顾巨秩鸿编。非于卒读。一朝专稿。挂漏实多。从游沈子尧封偕弟庶虞。欲得一简。而该者。以供记诵。清业于余。余不获辞。爰取名家诸集及选本。而手录之。断自六朝。至于明季。集分八卷。诗逾千篇。名曰咏物诗选。聊便初学。用塞其清。或曰雕虫篆刻。壮夫不为。月露风云。古

人所载。则是书之摒。余滋愧焉。或曰。传有之多识于草木鸟兽之名。又曰。不学博依。不能安诗。则是书也。亦未必非学诗之一助云尔。雍正甲辰十月朔俞琰序。

## 咏物诗选凡例

一、诗有古风近体之不同。而是集所选专于近体。即长律亦止录十二韵以内者。以集隘难于尽登。且咏物体制。正宜稳顺声律。不蔓不支。累句芜词。亦无足取。

一、是集选自六朝。止于明世。若国朝人文蔚起。佳作如林。瑛孤陋寡闻。无由遍识。惟就古人所缺与同里诸子诗。略附一二。故加附字以别之。明非备录。

一、咏物之诗多者。莫如李义山。下迨谢朓。广至百首。专门名家之业。选录宜多。更有以一篇之工擅名千载者。如崔莺莺。郑鹧鸪。谢蝴蝶。杨春草。袁白燕之类。无不毕采。以备诗林佳话。且使学者有所感兴。

一、唐人以诗取士。故其诗独工。是集所载。居其大半。明所尚也。然在唐以前者。岂无观止之什。唐以后者。亦有居上之篇。心思所至。风会难拘。惟择其佳者而录之。亦不必定存唐作也。

一、岁时。非物也。然是集本为初学而设。良辰美景。存之可以备取材。谨遵佩文咏物诗选之例。亦为编入。

一、集中所载。如山部之有诸山。水部之有诸水。居处与寺观等亦然。例得附入。若概为删去。未免闻见寂寥。然

必欲备采。即汗牛充栋。亦有所遗。故略存其要。如五穀四渎之类。或题非紧要。而诗则甚佳者。亦得与焉。识者鉴之。

一、是集虽名咏物。而众体兼全。岁时之内。不乏感兴。地部之中。亦多凭吊。游览即存乎山水。闲情已备于丽人。言怀酬赠。附见诸诗。学者读之。正不必广览旁搜。而运用有馀矣。

一、一题之诗。多者不过六首。少者仅存一首。盖既欲其约。又欲其该。第取各物。不能备诗也。

一、是书。部分三十。其先后次序。略以天。地。人。物为纲。首天部。而岁时者。天之运行也。故岁时次之。次地部。而山水者。地之属也。居处寺观则附于地者也。故山水与居处寺观次之。次人部。人有福人。而文武者。人之所能。乐艺者。人之所习。器用杂玩。所以奉人。玉帛。冠服。所以资人。饮食所以养人。果也。谷也。蔬也。皆饮食之品。故诸部次之。下此则为物矣。百花。草木。植物也。禽兽。解介。水族。昆虫。动物也。或无情。或有情。而统归之于物。故以数者终焉。

一、每部之中。其叙次必先灵而后蠹。先巨而后细。先有用而后无用。无夺伦也。然其中更有以名附者。如秋海棠之附于海棠。珠兰之附于兰是也。有以类附者。如烟火之附于香炭。笋之附于竹是也。

一、每咏一物。以单名总咏者居先。而后及于分咏。又次及于杂咏。分咏者。如天部日。后之继以早日。日午。夕阳。返照之类是也。杂咏者。如天部中秋月。后之继以鹤林

寺中秋夜玩月。地部郊墅。后继以初夏郊行之类是也。综可类推。

一、序诗之法。或以体序。或以世序。此大较也。是集专为咏物。故惟以物序。若一物而数诗者。仍以体分。物同而体亦同者。仍以世次。

一、古人题目。多为后人所增删。殊失本来面目。是集各从旧本。不敢妄更。惟题上有味字者。概为削去。盖既以咏物名书。则咏字无庸复赘。读者幸勿致讶。

一、数诗共题者。后止书又字。一人叠见者。后不书人。一览自明。省文可也。

一、是书。稿经屡易。剧费苦心。共商榷之任者。为余友钱虞御。助校阅之劳者。为及门沈尧封及庶虞。始事之勤。所不敢混。然而识非萧朗。博愧边生。燕石自珍。骊珠难探。高明君子。尚其有以教我。        俞琰长仁氏识

# 咏物诗选目录

## 天 部

|         |   |
|---------|---|
| 日       | 1 |
| 晓日      | 1 |
| 望早日     | 1 |
| 日午      | 1 |
| 夕阳      | 1 |
| 又       | 1 |
| 返照      | 2 |
| 赋得秋日悬清光 | 2 |
| 月       | 2 |
| 又       | 2 |
| 新月      | 2 |
| 又       | 2 |
| 又       | 2 |
| 月圆      | 3 |
| 皓月      | 3 |
| 秋月      | 3 |
| 月夜      | 3 |
| 八月十五夜月  | 3 |
| 中秋月     | 3 |

|          |   |
|----------|---|
| 鹤林寺中秋夜玩月 | 3 |
| 中秋待月     | 3 |
| 湖中玩月     | 4 |
| 十五夜望月    | 4 |
| 海上生明月    | 4 |
| 府试残月如新月  | 4 |
| 华州试月中桂   | 4 |
| 星        | 4 |
| 牛女星      | 5 |
| 寿星见      | 5 |
| 天河       | 5 |
| 风        | 5 |
| 又        | 5 |
| 又        | 5 |
| 赋得风不鸣条   | 5 |
| 云        | 6 |
| 又        | 6 |
| 春云       | 6 |
| 夏云       | 6 |
| 孤云       | 6 |
| 庆云见      | 6 |
| 晚霞       | 6 |
| 雨        | 7 |
| 又        | 7 |
| 细雨       | 7 |

|            |    |
|------------|----|
| 微雨         | 7  |
| 春雨         | 7  |
| 连雨涨江       | 7  |
| 对雨         | 7  |
| 又          | 8  |
| 夜窗听雨       | 8  |
| 闻雨         | 8  |
| 春夜喜雨       | 8  |
| 久旱喜雨       | 8  |
| 旅馆遇雨       | 8  |
| 芒种过后经旬无日不雨 | 8  |
| 监试夜雨滴空阶    | 9  |
| 夏夜雨        | 9  |
| 大雨         | 9  |
| 晴          | 9  |
| 雨晴         | 9  |
| 又          | 9  |
| 初晴         | 9  |
| 又          | 10 |
| 春晴         | 10 |
| 春霁         | 10 |
| 途中晴        | 10 |
| 雾          | 10 |
| 水村雾        | 10 |
| 晓行遇雾       | 10 |

|          |    |
|----------|----|
| 露        | 10 |
| 又        | 11 |
| 又        | 11 |
| 霜        | 11 |
| 霜花       | 11 |
| 雪        | 11 |
| 又        | 11 |
| 又        | 12 |
| 对雪       | 12 |
| 春雪       | 12 |
| 又        | 12 |
| 江雪       | 12 |
| 和王员外晴雪早晴 | 12 |
| 雪后书北台壁   | 12 |
| 韩舍人书斋残雪  | 13 |
| 雪中偶题     | 13 |
| 雪行       | 13 |
| 霰        | 13 |
| 雷        | 13 |
| 电        | 13 |
| 虹        | 13 |
| 暮虹       | 14 |
| 岁 时 部    |    |
| 立春       | 14 |

|            |    |
|------------|----|
| 又          | 14 |
| 元日立春感叹有作   | 14 |
| 人日立春       | 14 |
| 东郊迎春       | 14 |
| 岁旦         | 15 |
| 元旦试笔       | 15 |
| 己酉元日       | 15 |
| 元日观朝       | 15 |
| 元日早朝       | 15 |
| 人日         | 15 |
| 正月十五夜      | 15 |
| 十五夜游       | 16 |
| 长安元夜       | 16 |
| 元夜         | 16 |
| 元宵         | 16 |
| 十五夜御前口号踏歌词 | 16 |
| 又          | 16 |
| 花朝         | 17 |
| 社日         | 17 |
| 又          | 17 |
| 寒食前有感      | 17 |
| 寒食         | 17 |
| 鄜州寒食       | 17 |
| 又          | 17 |
| 又          | 18 |

|            |    |
|------------|----|
| 清明登城春望寄王使君 | 18 |
| 长安清明       | 18 |
| 清明日对酒      | 18 |
| 清明即事       | 18 |
| 清明日赐百官新火   | 18 |
| 清明         | 18 |
| 上巳         | 19 |
| 上巳日花下闲看    | 19 |
| 上巳         | 19 |
| 上巳看花次韵     | 19 |
| 晚春         | 19 |
| 暮春即事       | 19 |
| 和人暮春书事寄崔秀才 | 20 |
| 春暮有感       | 20 |
| 暮春吟        | 20 |
| 春尽日        | 20 |
| 春日         | 20 |
| 又          | 20 |
| 春日晏起       | 21 |
| 春日书院       | 21 |
| 春日闲居       | 21 |
| 春歌         | 21 |
| 春晓         | 21 |
| 春夜         | 21 |
| 又          | 21 |

|           |    |
|-----------|----|
| 春色满皇州     | 21 |
| 春行        | 21 |
| 春景        | 22 |
| 山中立夏即事    | 22 |
| 早夏        | 22 |
| 初夏闲居即事    | 22 |
| 初夏        | 22 |
| 又         | 22 |
| 贞溪初夏      | 23 |
| 午日庭宴      | 23 |
| 许长卿水亭五日   | 23 |
| 扬州端午呈赵师   | 23 |
| 大暑        | 23 |
| 暑中闲咏      | 23 |
| 消暑        | 23 |
| 桥南纳凉      | 23 |
| 六七月之交山中凉甚 | 24 |
| 奉和夏日应令    | 24 |
| 夏日        | 24 |
| 夏日偶成      | 24 |
| 夏夜        | 24 |
| 夏景        | 24 |
| 立秋        | 25 |
| 立秋日       | 25 |
| 又         | 25 |

|          |    |
|----------|----|
| 新秋       | 25 |
| 又        | 25 |
| 新秋示盛伯宣   | 25 |
| 七夕       | 25 |
| 又        | 25 |
| 又        | 26 |
| 又        | 26 |
| 池塘七夕     | 26 |
| 中秋       | 26 |
| 又        | 26 |
| 九日蓝田崔氏庄  | 26 |
| 九日齐山登高   | 26 |
| 重阳日访元秀上人 | 27 |
| 九日       | 27 |
| 九日宴      | 27 |
| 重九       | 27 |
| 暮秋感兴     | 27 |
| 江亭晚秋     | 27 |
| 秋晚高楼     | 27 |
| 秋日       | 28 |
| 又        | 28 |
| 又        | 28 |
| 长安卧病秋夜言怀 | 28 |
| 西斋秋夜     | 28 |
| 长安秋夜     | 28 |

|            |    |
|------------|----|
| 山间秋夜       | 28 |
| 江馆秋夕       | 28 |
| 感秋         | 29 |
| 秋兴         | 29 |
| 秋怀         | 29 |
| 秋色         | 29 |
| 秋景         | 29 |
| 立冬         | 29 |
| 初冬         | 29 |
| 小至         | 30 |
| 至节即事       | 30 |
| 南至日太史登台书云物 | 30 |
| 寒夜         | 30 |
| 腊月下旬偶作     | 30 |
| 腊日         | 30 |
| 除夜         | 30 |
| 除夜作        | 31 |
| 守岁侍宴应制     | 31 |
| 冬日         | 31 |
| 冬夜         | 31 |
| 冬景         | 31 |

### 岁 时 部 附录

|   |    |
|---|----|
| 晓 | 31 |
|---|----|